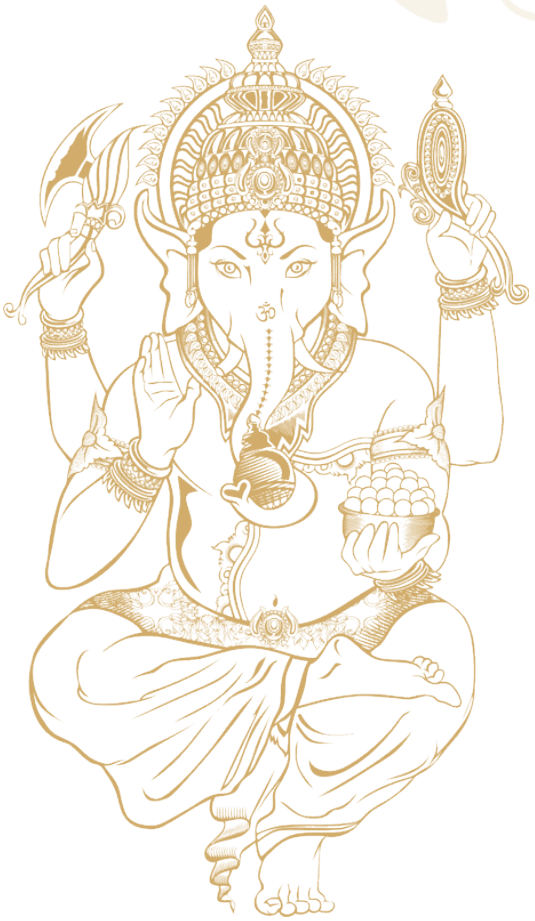

Partik

Partibha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121733602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/06/1996	जन्म तिथि	09/10/1999
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:40:00	जन्म समय	13:45:00 घंटे
घटी 23:11:50	जन्म समय(घटी)	18:36:55 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Gurgaon
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:16	सूर्योदय	06:18:56
19:20:53	सूर्यास्त	17:59:27
23:48:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 3वर्ष 8मा 25दि	03:01:28	तुला	लग्न	मक	00:21:02	चन्द्र 2वर्ष 4मा 23दि
शनि	02:38:31	मिथु	सूर्य	कन्या	21:44:41	राहु
13/03/2016	17:13:57	मिथु	चंद्र	कन्या	20:08:11	03/03/2009
13/03/2035	09:35:40	वृष	मंगल	धनु	00:37:45	03/03/2027
शनि 17/03/2019	10:31:17	वृष	बुध	तुला	12:04:04	राहु 14/11/2011
बुध 24/11/2021	21:04:20	धनु व	गुरु व	मेष	07:59:07	गुरु 08/04/2014
केतु 02/01/2023	22:14:12	वृष व	शुक्र	सिंह	07:22:50	शनि 12/02/2017
शुक्र 04/03/2026	12:45:57	मीन	शनि व	मेष	21:57:59	बुध 02/09/2019
सूर्य 14/02/2027	20:25:42	कन्या व	राहु व	कर्क	17:01:05	केतु 19/09/2020
चन्द्र 14/09/2028	20:25:42	मीन व	केतु व	मक	17:01:05	शुक्र 20/09/2023
मंगल 24/10/2029	10:10:11	मक व	हर्ष व	मक	19:05:35	सूर्य 14/08/2024
राहु 30/08/2032	03:21:10	मक व	नेप व	मक	07:44:38	चन्द्र 13/02/2026
गुरु 13/03/2035	07:15:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:35:43	मंगल 03/03/2027

लग्न-चलित

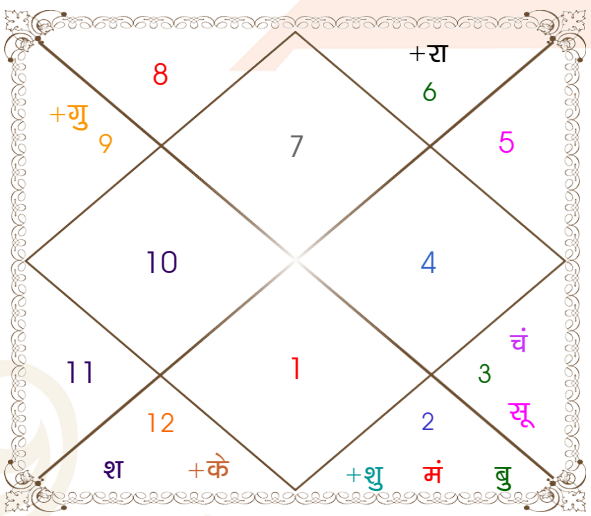

लग्न-चलित

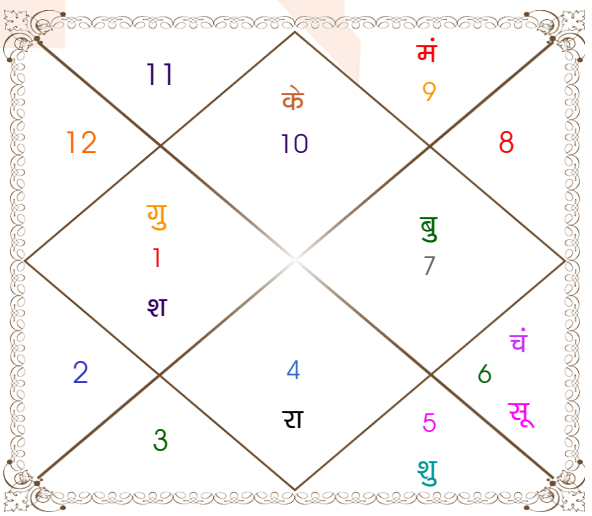

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि च्तजपा का नक्षत्र आर्द्रा है।

च्तजपा का वर्ग सिंह है तथा च्तजपईं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तजपा और च्तजपईं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तजपा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

च्तजपईं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तजपईं कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु च्तजपा कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि चंतजपा कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

चंतजपा तथा चंतजपइीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।